



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 175]
No. 175]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 9, 1999/चैत्र 19, 1921
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 9, 1999/CHAITRA 19, 1921

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1999

सा.का.नि. 255(अ).—केन्द्रीय सरकार का विचार है कि भारत की रक्षा और सुरक्षा के हित में और लोकहित में यह आवश्यक और समीचीन है कि उत्तर प्रदेश राज्य में, भारत की सीमाओं से लगे कतिपय क्षेत्रों को अधिसूचित क्षेत्र घोषित किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, दण्ड विधि संशोधन अधिनियम, 1961 §1961 का 23 § की धारा 3 की उपधारा §1 § द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० सा०का० नि० 431 §अ §, तारीख 17 जुलाई, 1980 का अधिक्रान्त करते हुए, उन बातों के सिवाय जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, उत्तर प्रदेश राज्य के, भारत की सीमाओं से लगे निम्नलिखित क्षेत्रों को, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से अधिसूचित क्षेत्र घोषित करती है, अर्थात्:-

उत्तर प्रदेश राज्य के पिथौरागढ़, चमोली और उत्तरकाशी जिले जिनमें निम्नलिखित क्षेत्र सम्मिलित नहीं हैं:-

// इस सेक्टर में अधिसूचित क्षेत्र की सीमा को चिन्हांकित करने वाली रेखा किन्नौर, शिमला §हिमाचल प्रदेश § और उत्तर प्रदेश का उत्तरकाशी जिला, तीनों के जिला सीमा के संगम पर स्थित सिंगा घाटी से प्रारंभ होगी। इसके पश्चात् वह हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच राज्य सीमा बनाने वाले लामी शिखर और बिमलोगा दर्रा से होती हुई उत्तर पूर्वी दिशा में रिज के साथ-साथ पुरोला की तहसील सीमा के अपने संगम तक जाएगी।

इसके पश्चात् रेखा इसके रतिया बामक और लामखागा बामक के जल विभाजक बनाने वाली रिज के साथ मिलन बिन्दु तक पुरोला और भटवारी के बीच तहसील सीमा बनाने वाली रिज के

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th April, 1999.

G.S.R.255(E).—Whereas the Central Government considers that in the interests of safety, security of India and in the public interest, it is necessary and expedient to declare certain areas adjoining the frontiers of India in the State of Uttar Pradesh, to be the notified area;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Criminal Law Amendment Act, 1961 (23 of 1961), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs, number G.S.R. 431(E), dated, the 17th July, 1980, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby declares the following areas adjoining the frontiers of India in the State of Uttar Pradesh to be the notified area for the purposes of the said section, with effect from the date of publication of this notification, namely :—

The districts of Pithoragarh, Chamoli and Uttarkashi in the State of Uttar Pradesh excluding the following areas :—

The line marking the boundary of notified area in this sector shall commence from SINGA GHATI situated at trijunction of District boundary of KINNAUR, SHIMLA (HIMACHAL PRADESH) and UTTARKASHI District of UTTAR PRADESH. Thence follows the ridge in North Eastern direction, through LAMI Peak and KHIMLOGA PASS, forming the State boundary between HIMACHAL PRADESH and UTTAR PRADESH upto its junction with tehsil boundary of PUROLA.

Then the line will run along the ridge forming tehsil boundary between PUROLA and BHATWARI upto its meeting point with the ridge forming the watershed of RATIYA BAMAK and LAMKHAGA BAMAK, thence along the same watershed to LAMKHAGA Peak, then run along the same ridge towards DHUMDHAR. Then it descends along the spur southward where it meets SIYAN GAD (1½ km East of its junction with BARAGADI GAD).

From this point it follows the left bank of SIYAN GAD upto its junction with BHAGIRATHI River and thereafter follows the right bank of BHAGIRATHI River upto its junction with a minor stream East of MARKANDE (about 4 km East of HARSIL).

Then it ascends up along this stream to a peak on DADAPOKHRI DHAR and follows the same ridge in North East direction to meet highest peak at North end of LANKA DHAR. Then it descends along LANKA DHAR following the same spur to meet a bridge at the junction of JADH GANGA (JAHNAVI River) and GARTANG GAD. Then crosses the JADH GANGA River and ascends a spur, in South East direction to reach at DAKHANI Peak. Then runs along the same ridge in East direction through HODAS DHAR and peaks BHAIRON JHAMP, DEOBAN, KALIDHANG, CHIRBAS PARBAT, MATRI to a peak 2 km North of SUDARSHAN PARVAT. Then runs in North Eastern direction along a high hill range upto SRI KAILAS Peak



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 175]
No. 175]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 9, 1999/चैत्र 19, 1921
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 9, 1999/CHAITRA 19, 1921

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1999

सा.का.नि. 255(अ).—केन्द्रीय सरकार का विचार है कि भारत की रक्षा और सुरक्षा के हित में और लोकहित में यह आवश्यक और समीचीन है कि उत्तर प्रदेश राज्य में, भारत की सीमाओं से लगे कतिपय क्षेत्रों को अधिसूचित क्षेत्र घोषित किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, दण्ड विधि संशोधन अधिनियम, 1961 §1961 का 23 § की धारा 3 की उपधारा §1 § द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० सा०का० नि० 431 §अ §, तारीख 17 जुलाई, 1980 का अधिष्ठापित करते हुए, उन बातों के सिवाए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, उत्तर प्रदेश राज्य के, भारत की सीमाओं से लगे निम्नलिखित क्षेत्रों को, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से अधिसूचित क्षेत्र घोषित करती है, अर्थात्:-

उत्तर प्रदेश राज्य के पिथौरागढ़, चमोली और उत्तरकाशी जिले जिनमें निम्नलिखित क्षेत्र सम्मिलित नहीं हैं:-

॥ इस सेक्टर में अधिसूचित क्षेत्र की सीमा को चिह्नित करने वाली रेखा किन्नौर, शिमला §हिमाचल प्रदेश § और उत्तर प्रदेश का उत्तरकाशी जिला, तीनों के जिला सीमा के संगम पर स्थित सिंगा घाटी से प्रारंभ होगी। इसके पश्चात् वह हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच राज्य सीमा बनाने वाले लामी शिखर और खिमलोगा दर्रा से होती हुई उत्तर पूर्वी दिशा में रिज के साथ-साथ पुरोला की तहसील सीमा के अपने संगम तक जाएगी।

इसके पश्चात् रेखा इसके रतिया बामक और लामसागा बामक के जल विभाजक बनाने वाली रिज के साथ मिलन बिन्दु तक पुरोला और भटवारी के बीच तहसील सीमा बनाने वाली रिज के

साथ-साथ जाएगी। इसके पश्चात् उसी जल विभाजक के साथ-साथ लामखागा शिखर तक जाएगी, फिर उसी रिज के साथ-साथ घूमधार की ओर जाएगी। फिर वह पर्वत स्कंध के साथ-साथ दक्षिण की ओर नीचे उतरती है जहां वह सियानगड ँबरगदी गड के साथ इसके संगम से $1\frac{1}{2}$ किलोमीटर पूर्व की ओर पर मिलती है।

इसी बिन्दू से यह भागीरथी नदी के साथ इसके संगम तक सियानागड के बाएं किनारे के साथ-साथ जाती है और इसके पश्चात् यह मार्कण्डे से ँहरसिल से लगभग 4 किलोमीटर पूर्व की ओर पूर्व में स्थित एक छोटी जलधारा के साथ अपने संगम तक भागीरथी नदी के बाएं किनारे के साथ-साथ जाती है।

फिर यह इस जलधारा के साथ-साथ दादापोखरी धार स्थित एक शिखर पर चढ़ती है और उसी रिज के साथ-साथ उत्तर-पूर्व दिशा में बढ़ती है जहां वह लंका धार के उत्तरी छोर पर उच्चतम शिखर पर मिलती है। फिर यह लंका धार के साथ-साथ उसी पर्वत स्कंध से नीचे उतरती है जहां वह जड गंगा ँजन्हवी नदी और गरतांग गड के संगम पर एक पुल पर मिलती है। फिर यह जड गंगा नदी पार करती है और एक पर्वत स्कंध पर दक्षिण-पूर्व दिशा में ऊपर चढ़ती है जहां वह वक्खनी शिखर पर पहुंचती है। वहां यह उसी रिज के साथ-साथ होदास धार और भैरों झांप, देवबन, कालीद्वंग, चिरबास पर्वत, मातरी चोटियों से होती हुई पूर्वी दिशा की ओर सुदर्शन पर्वत से दो किलोमीटर उत्तर स्थित एक शिखर तक जाती है। फिर उत्तर पूर्वी दिशा में ऊंची पर्वती श्रेणी के साथ-साथ श्री कैलाश शिखर तक जाती है।

श्री कैलाश शिखर से यह साधारणतया दक्षिण पूर्वी दिशा में ऊंची पर्वत श्रेणी के साथ-साथ माना पर्वत तक जाती है, फिर रिज के साथ-साथ पूर्वी दिशा में भटवारी और जोशीमठ तहसीलों के बीच तहसील सीमा पर माना तट के दक्षिण तथा कैनदानी तट के उत्तर में स्थित शिखर तक जाती है। फिर तहसील सीमा के साथ-साथ उत्तर पूर्वी दिशा में माना तट के दक्षिण-पूर्व में एक बिन्दू तक जाती है।

तहसील सीमा पर स्थित इस बिन्दू से यह दक्षिण-पूर्वी दिशा में सरस्वती नदी और अरबा नाला के जल विभाजक बनाने वाली रिज के साथ-साथ जाती है और खाटि से $\frac{1}{2}$ किलोमीटर दक्षिण तथा घासटोली से 2 किलो मीटर उत्तर में लकड़ी के पुल पर सरस्वती नदी से मिलती है। इसके पश्चात् यह सरस्वती नदी के बाएं तट के साथ-साथ छिपछिपो के निकट रॉक पुल तक जाती है।

फिर यह एक पर्वत स्कंध पर दक्षिण पूर्व दिशा में ऊपर चढ़ती है और खुलिया गरब्या गड के दक्षिण में पर्वत श्रेणी ँजल विभाजक के साथ-साथ नर पर्वत तक जाती है। फिर यह उत्तर पूर्वी दिशा में खुलिया गरब्या हिमनदी के दक्षिण में पर्वत श्रेणी के साथ-साथ जाती है और खुलिया घाट दर्रा पार कर नीलगिरी पर्वत तक जाती है।

नील गिरि पर्वत से यह रिज के साथ साथ उत्तर पूर्वी दिशा में जाती है और बोक कुंड हिम नदी पार कर कागभुण्ड शिखर पर पहुंचती है। फिर यह अमृत गंगा नदी के उत्तर में तथा सैम खडक हिम नदी के दक्षिण में जल विभाजक रिज के साथ साथ जाती है और खाल सुरांस पर नीचे उतरती है फिर यह नीति ग्राम से 4 किलो मीटर उत्तर में धौली गंगा पार करती है। फिर यह उत्तरी दिशा में पर्वत स्कंध पर बामलास दर्रे पर चढ़ती है।

बामलास दर्रे से यह दक्षिण पूर्वी दिशा में रिज के साथ साथ चलती है और दमिया हिम नदी के दक्षिण में एक शिखर तक जाती है फिर यह हीरू धार नामक पर्वत स्कंध से उतरती है और टिमरसिन तक जाती है। फिर यह जटी गड पार करती है और पर्वत स्कंध पर चढ़ती हुई पहले लानमा सुरजंग शिखर पर और फिर लामा सुरजंग शिखर पर पहुंचती है।

वहां से यह एक पर्वत स्कंध के साथ साथ नीचे उतरती है और छुबंग गड़ तथा गिरती गंगा के संगम तक पहुंचती है। गिरती गंगा पार करने के पश्चात् यह एक पर्वत स्कंध पर चढ़ती है और चेटी धार नामक रिज के साथ साथ सुरांस का धुरा तक जाती है।

वहां से यह दक्षिण दिशा में कुंसी मनर शिखर से होकर गिरती गंगा तथा सिरोंज धार नाला की जल विभाजक रिज के साथ साथ चलती हुई लाम्पक शिखर तक जाती है। फिर यह दक्षिण पूर्वी दिशा में सिरोंज हिम नदी तथा कल्ला तट हिम नदी रिज के साथ साथ जाती है और पिथौरागढ़ तथा चमौली के बीच जिला सीमा पर त्रिशूली शिखर पर पहुंचती है। फिर यह जिला सीमा के साथ साथ छलब तक जाती है।

फिर यह दक्षिण पूर्वी दिशा में खोली, नंदा गोंड, नंदा पाल, शांगचू शिखरों को जोड़ने वाली ऊँची पर्वत श्रेणी के साथ साथ जाती है फिर यह गोंखागड तथा गोरी गंगा नदी के बीच जल विभाजक बनाने वाली रिज के साथ साथ नीचे की ओर लाखुरी भेल तक जाती है।

फिर यह गोंखा गड़ पार करती है और पूर्वी दिशा में बर्फू हिम नदी के उत्तर तथा फिर क्वालगांग हिम नदी के दक्षिण के साथ साथ एक रिज के दक्षिण पूर्वी पर्वत स्कंध पर बाम्बा धुरा पर चढ़ती है।

बाम्बा धुरा से यह दक्षिण पूर्वी दिशा में पिथौरागढ़ जिले की मुन्स्यारी तथा धारचूला तहसीलों के बीच तहसील सीमा के साथ साथ जाती है और शिरिगवे, सूली टोंप, त्रिगाल शिखरों से होकर सुज टिला तक जाती है। फिर यह उत्तर पूर्वी दिशा में हिपचिकांग हिम नदी के उत्तर में रिज के साथ साथ जिंगरीवे शिखर तक जाती है और फिर पर्वत स्कंध के साथ साथ नीचे उतरती है और लास्सर यांकली तथा रालम नाला संगम पर लकड़ी के पुल तक जाती है, संगम पार करती है और पूर्वी पर्वत स्कंध के ऊपर चढ़ती है, मापर धुरा के उत्तर में रिज के साथ साथ पल्पाइन चारागाह तक नीचे उतरती है।

फिर यह शुमाखू तथा जामटी के बीच धर्म गंगा नदी को इसके मोड़ बिन्दू पर पार करती है और पर्वत स्कंध के साथ साथ ऊपर चढ़ती है तथा मरजाडु धुरा के $2\frac{1}{2}$ किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित चोटी पर पहुंचती है। फिर यह उत्तरी दिशा में रराब तक रिज के साथ साथ जाती है।

फिर यह पांग वामका और उसके पेच कांग नाला के संगम तक कुथी यांकली के बांग तट के साथ साथ जाती है।

फिर दक्षिण पश्चिमी दिशा में पर्वत स्कंध के साथ साथ जाती है और फिर पेच कांग नाला के दक्षिण में रिज के साथ साथ जाती है तथा सुमजुरकचंग की हिम नदी से 1 किलोमीटर पूर्व में स्थित शिखर पर मिलती है।

फिर दक्षिण दिशा में विभिन्न ऊँचें शिखरों को जोड़ने वाली ऊँची पर्वत श्रेणी के साथ साथ जाती है और गणों हिम नदी से $3\frac{1}{2}$ किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित शिखर पर मिलती है।

यहां से यह पूर्व दिशा में पालंग गड़ तथा धन कांग नाला और कुथी यांकली नदी जल विभाजक के साथ साथ जाती है और छिया लेक से $3\frac{1}{2}$ किलोमीटर उत्तर में स्थित उच्चतम शिखर पर मिलती है, फिर यह दक्षिण दिशा में नीचे उतरती है और छिया लेख तक एक पर्वत स्कंध के साथ साथ चलती है और छिया लेख के पूर्व में अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से मिलती है।

[फा.सं. II/21017/3/93-आईएस (यूएसडी. IV)]

संगीता गैरोला, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS
NOTIFICATION**

New Delhi, the 9th April, 1999

G.S.R.255(E).—Whereas the Central Government considers that in the interests of safety, security of India and in the public interest, it is necessary and expedient to declare certain areas adjoining the frontiers of India in the State of Uttar Pradesh, to be the notified area;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Criminal Law Amendment Act, 1961 (23 of 1961), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs, number G.S.R. 431(E), dated, the 17th July, 1980, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby declares the following areas adjoining the frontiers of India in the State of Uttar Pradesh to be the notified area for the purposes of the said section, with effect from the date of publication of this notification, namely :—

The districts of Pithoragarh, Chamoli and Uttarkashi in the State of Uttar Pradesh excluding the following areas :—

The line marking the boundary of notified area in this sector shall commence from SINGA GHATI situated at trijunction of District boundary of KINNAUR, SHIMLA (HIMACHAL PRADESH) and UTTARKASHI District of UTTAR PRADESH. Thence follows the ridge in North Eastern direction, through LAMI Peak and KHIMLOGA PASS, forming the State boundary between HIMACHAL PRADESH and UTTAR PRADESH upto its junction with tehsil boundary of PUROLA.

Then the line will run along the ridge forming tehsil boundary between PUROLA and BHATWARI upto its meeting point with the ridge forming the watershed of RATIYA BAMAK and LAMKHAGA BAMAK, thence along the same watershed to LAMKHAGA Peak, then run along the same ridge towards DHUMDHAR. Then it descends along the spur southward where it meets SIYAN GAD (1½ km East of its junction with BARAGADI GAD).

From this point it follows the left bank of SIYAN GAD upto its junction with BHAGIRATHI River and thereafter follows the right bank of BHAGIRATHI River upto its junction with a minor stream East of MARKANDE (about 4 km East of HARSIL).

Then it ascends up along this stream to a peak on DADAPOKHRI DHAR and follows the same ridge in North East direction to meet highest peak at North end of LANKA DHAR. Then it descends along LANKA DHAR following the same spur to meet a bridge at the junction of JADH GANGA (JAHNAVI River) and GARTANG GAD. Then crosses the JADH GANGA River and ascends a spur in South East direction to reach at DAKHANI Peak. Then runs along the same ridge in East direction through HODAS DHAR and peaks BHAIRON JHAMP, DEOBAN, KALIDHANG, CHIRBAS PARBAT, MATRI to a peak 2 km North of SUDARSHAN PARVAT. Then runs in North Eastern direction along a high hill range upto SRI KAILAS Peak.

From SRI KAILAS Peak it runs in generally South Eastern direction along high hill range upto MANA PARVAT, then runs along the ridge in East direction to peak situated south of MANA BANK and north of KAIANDANI Bank on tehsil boundary between BHATWARI and JOSHIMATH tehsils. Then along the tehsil boundary in North Eastern direction to a point South East of MANA BANK.

From this point on the tehsil boundary it runs in South Eastern direction along the ridge forming the watershed of SARASWATI River and ARWA Nala to meet the SARASWATI River at the wooden bridge $\frac{1}{2}$ km South of KHATI and 2 km North of GHASTOLI. Thereafter it follows the left bank of SARASWATI River upto ROCK BRIDGE near CHHIPCHHIPO.

Then it ascends to a spur in South East direction and follows a hill range (watershed) south of KHULIA GARVYA Gad upto NAR PARVAT. Then in North eastern direction along a hill range South of KHULIA GARVYA Glacier and crossing KHULIA GHATA Pass to NILGIRI PARBAT.

From NILGIRI PARBAT it runs in North Eastern direction along a ridge and crosses BANK KUND Glacier to reach KAGBHUSAND Peak. Then it follows the watershed ridge North of AMRIT GANGA River and South of SEM KHARAK Glacier and descends to KHAL KURANS, then crosses the DHAULI GANGA at 4 km North of NITI Village. Then it ascends to a spur in East direction upto BAMLAS Pass.

From BAMLAS Pass it runs along a ridge in South eastern direction to a peak South of DAMIYAN Glacier, then descends to a spur known as HIRU DHAR upto TIMARSAIN. Then it crosses the JATI GAD and ascends a spur to reach LANMA SURJANG Peak and then to LAMA SURJANG Peak.

From this it descends along a spur to reach the junction of CHUBANG GAD and GIRTHI GANGA. After crossing GIRTHI GANGA it ascends a spur and follows a ridge named CHHETI DHAR upto SURANS KA DHURA.

From this it runs in South direction following the watershed ridge of GIRTHI GANGA and SIRAUNCH GHAT Nala passing through KUNTI BHANAR Peak to LAMPAK Peak. Then it runs in South Eastern direction along a ridge between SIRAUNCH Glacier and KALLA Bank Glacier and reaches TIRSULI Peak on the District boundary between PITHORAGARH and CHAMOLI. Then it follows the district boundary upto CHHALAB.

Then it runs in South Eastern direction along the high hill range connecting peaks KHOLI, NANDA GOND, NANDA PAL, SHANGCHU, then it runs along the ridge downwards forming the watershed of GONKHA GAD and GORIGANGA River upto LAKHURI BHEL.

Then it crosses the GONKHA GAD and ascends to South Eastern spur of a ridge in East direction following North of BURPHU Glacier and then south of KWALGANG Glacier upto BAMBA DHURA.

From BAMBA DHURA it runs in South Eastern direction along tehsil boundary between MUNSARI and DHARCHULA tehsils of PITHORAGARH District and passes through Peaks CHHIRING WE, SULI TOP, TRIGAL upto SUJ TILLA Peak. Then runs in North Eastern direction along a ridge North of HIPCHIKANG Glacier upto JINGRI WE Peak and then descends along the spur upto wooden bridge at the junction of LASSAR YANKTI and RALAM YANKTI Nala, crosses the junction and ascends on the east spur, following the ridge North of MAPAR DHURA descends to Alpine pasture.

Then crosses the DARMAGANGA River at its turning point between SHUMA KHUN and JAMTI and ascends along the spur to reach a top $2\frac{1}{2}$ km South East of MARJADU DHURA. Then it runs in East direction along the ridge upto RARAB.

Then it follows the left bank of KUTHI YANKTI to PANGDAMKA and its junction with PECHKANG Nala.

Then runs along the spur in South West direction and then follows a ridge South of PECHKANG Nala upto a peak 1 km East of SUMZURKCHAN KI Glacier. Then runs along a high hill range in South direction connecting various high peaks upto a peak $3\frac{1}{2}$ km North east of GANE Glacier.

From this it runs in East direction following the watershed of PALANG GAD and GHANKANG Nala and KUTHI YANKTI River upto highest peak in the area $3\frac{1}{2}$ km North of CHHIYALEKH, then in South direction downwards and along a spur to CHHIYALEKH and meets International boundary East of CHHIYALEKH.

[F.No.II/21017/3/93-IS (US D. IV)]

SANGITA GAIROLA, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1999

सा.का.नि. 256(अ).—केन्द्रीय सरकार का विचार है कि भारत की रक्षा और सुरक्षा के हित में और लोकहित में यह आवश्यक और समीचीन है कि उत्तर प्रदेश राज्य में, भारत की सीमाओं से लगे कतिपय क्षेत्रों को अधिसूचित क्षेत्र घोषित किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, वण्ड विधि संशोधन अधिनियम, 1961 §1961 का 23§ की धारा 3 की उपधारा §1§ द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० सा०का० नि० 290§अ§, तारीख 27 जून, 1974 को आंशिक रूप से उपंतरीत करके इससे उपाख्य अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों को उक्त धारा के प्रयोजनार्थ इस अधिसूचना की प्रकाशन की तारीख से उत्तर प्रदेश राज्य में अधिसूचित क्षेत्र के रूप में घोषित करती है और इस प्रयोजन के लिए निम्नलिखित संशोधन करती है. अर्थात् :

उक्त अधिसूचना में, विद्यमान अनुसूची-1 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची-1 और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :

" अनुसूची I

इस सैक्टर में अधिसूचित क्षेत्र की सीमा को चिह्नित करने वाली रेखा किन्नौर, शिमला हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश का उत्तरकाशी जिला, तीनों के जिला सीमा के संगम पर स्थित सिंगा घाटी से प्रारंभ होगी। इसके पश्चात् वह हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच राज्य सीमा बनाने वाले लामी शिखर और खिमलोणा वरी से होती हुई उत्तर पूर्वी दिशा में रिज के साथ-साथ पुरोला की तहसील सीमा के अपने संगम तक जाएगी।

इसके पश्चात् रेखा इसके रतिया बामक और लामखागा बामक के जल विभाजक बनाने वाली रिज के साथ मिलन बिन्दु तक पुरोला और भटवारी के बीच तहसील सीमा बनाने वाली रिज के साथ-साथ जाएगी। इसके पश्चात् उसी जल विभाजक के साथ-साथ लामखागा शिखर तक जाएगी, फिर उसी रिज के साथ-साथ धूमधार की ओर जाएगी। फिर वह पर्वत स्कंध के साथ-साथ दक्षिण की ओर नीचे उतरती है जहां वह सियानागड बरगदी गड के साथ इसके संगम से $1\frac{1}{2}$ किलोमीटर पूर्व की ओर पर मिलती है।

इसी बिन्दू से यह भागीरथी नदी के साथ इसके संगम तक सियानागड के बाएं किनारे के साथ-साथ जाती है और इसके पश्चात् यह मार्कंडे से हरसिल से लगभग 4 किलोमीटर पूर्व की ओर पूर्व में स्थित एक छोटी जलधारा के साथ अपने संगम तक भागीरथी नदी के दाएं किनारे के साथ-साथ जाती है।

फिर यह इस जलधारा के साथ-साथ दावापोखरी धार स्थित एक शिखर पर बढ़ती है और उसी रिज के साथ-साथ उत्तर-पूर्व दिशा में बढ़ती है जहां वह लंका धार के उत्तरी छोर पर उच्चतम शिखर पर मिलती है। फिर यह लंका धार के साथ-साथ उसी पर्वत स्कंध से नीचे उतरती है जहां वह जड़ गंगा जन्मवी नदी और गर्तांगगड के संगम पर एक पुल पर मिलती है। फिर यह जड़ गंगा नदी पार करती है और एक पर्वत स्कंध पर दक्षिण-पूर्व दिशा में ऊपर बढ़ती है जहां वह दक्खनी शिखर पर पहुँचती है। वहां यह उसी रिज के साथ-साथ होवास धार और भैरोंझांप, वेम्बन, कालीझंग, चिरबास पर्वत, मातरी चोटियों से होती हुई पूर्वी दिशा की ओर सुदर्शन पर्वत से दो किलोमीटर उत्तर स्थित एक शिखर तक जाती है। फिर उत्तर पूर्वी दिशा में ऊँची पर्वती श्रेणी के साथ-साथ श्री कैलाश शिखर तक जाती है।

श्री कैलाश शिखर से यह साधारणतया दक्षिण पूर्वी दिशा में ऊँची पर्वत श्रेणी के साथ-साथ माना पर्वत तक जाती है, फिर रिज के साथ-साथ पूर्वी दिशा में भटवारी और जोशीमठ तहसीलों के बीच तहसील सीमा पर माना तट के दक्षिण तथा कैनवानी तट के उत्तर में स्थित शिखर तक जाती है। फिर तहसील सीमा के साथ-साथ उत्तर पूर्वी दिशा में माना तट के दक्षिण-पूर्व में एक बिन्दू तक जाती है।

तहसील सीमा पर स्थित इस बिन्दू से यह दक्षिण-पूर्वी दिशा में सरस्वती नदी और अरबा नाला के जल विभाजक बनाने वाली रिज के साथ-साथ जाती है और खाटी से $\frac{1}{2}$ किलोमीटर दक्षिण तथा घासदेवी से 2 किलोमीटर उत्तर में लकड़ी के पुल पर सरस्वती नदी से मिलती है। इसके पश्चात् यह सरस्वती नदी के बाएं तट के साथ-साथ छिपीछिपी के निकट रॉक पुल तक जाती है।

फिर यह एक पर्वत स्कंध पर दक्षिण पूर्व दिशा में ऊपर बढ़ती है और खुलिया गरख्या गड के दक्षिण में पर्वत श्रेणी जल विभाजक के साथ-साथ नर पर्वत तक जाती है। फिर यह

उत्तर पूर्वी दिशा में खुलिया गरुया हिमनदी के दक्षिण में पर्वत श्रेणी के साथ-साथ जाती है और खुलिया घाट दर्रा पार कर नीलगिरी पर्वत तक जाती है।

नील गिरि पर्वत से यह रिज के साथ साथ उत्तर पूर्वी दिशा में जाती है और बांक कुंड हिम नदी पार कर कागभुण्ड शिखर पर पहुंचती है। फिर यह अमृत गंगा नदी के उत्तर में तथा सैम खड्क हिम नदी के दक्षिण में जल विभाजक रिज के साथ साथ जाती है और खाल खुरांस पर नीचे उतरती है फिर यह नीति ग्राम से 4 किलो मीटर उत्तर में घौली गंगा पार करती है। फिर यह उत्तरी दिशा में पर्वत स्कंध पर बामलास दर्रे पर चढ़ती है।

बामलास दर्रे से यह दक्षिण पूर्वी दिशा में रिज के साथ साथ चलती है और दमिया हिम नदी के दक्षिण में एक शिखर तक जाती है फिर यह हीरू धार नामक पर्वत स्कंध से उतरती है और टिमरसिन तक जाती है। फिर यह जटी गड़ पार करती है और पर्वत स्कंध पर चढ़ती हुई पहले लानमा सुरजंग शिखर पर और फिर लामा सुरजंग शिखर पर पहुंचती है।

वहां से यह एक पर्वत स्कंध के साथ साथ नीचे उतरती है और छुबंग गड़ तथा गिरती गंगा के संगम तक पहुंचती है। गिरती गंगा पार करने के पश्चात यह एक पर्वत स्कंध पर चढ़ती है और चेटी धार नामक रिज के साथ साथ सुरांस का धुरा तक जाती है।

वहां से यह दक्षिण दिशा में कुंती मनर शिखर से होकर गिरती गंगा तथा सिरोंज धार नाला की जल विभाजक रिज के साथ साथ चलती हुई लाम्पक शिखर तक जाती है। फिर यह दक्षिण पूर्वी दिशा में सिरोंज हिम नदी तथा कल्ला तट हिम नदी रिज के साथ साथ जाती है और पिथौरागढ़ तथा चमौली के बीच जिला सीमा पर त्रिशूली शिखर पर पहुंचती है। फिर यह जिला सीमा के साथ साथ छलब तक जाती है।

फिर यह दक्षिण पूर्वी दिशा में खोली, नंदा गोंड, नंदा पाल, शांगचू शिखरों को जोड़ने वाली ऊँची पर्वत श्रेणी के साथ साथ जाती है फिर यह गोंखागड तथा गोरी गंगा नदी के बीच जल विभाजक बनाने वाली रिज के साथ साथ नीचे की ओर लाखुरी भेल तक जाती है।

फिर यह गोंखा गड़ पार करती है और पूर्वी दिशा में बर्पूर् हिम नदी के उत्तर तथा फिर खालगांग हिम नदी के दक्षिण के साथ साथ एक रिज के दक्षिण पूर्वी पर्वत स्कंध पर बाम्बा धुरा पर चढ़ती है।

बाम्बा धुरा से यह दक्षिण पूर्वी दिशा में पिथौरागढ़ जिले की मुन्स्यारी तथा धारचूला तहसीलों के बीच तहसील सीमा के साथ साथ जाती है और शिरिगवे, सूली टॉप, त्रिगाल शिखरों से होकर सुज टिला तक जाती है। फिर यह उत्तर पूर्वी दिशा में हिपचिकांग हिम नदी के उत्तर में रिज के साथ साथ जिंगरीवे शिखर तक जाती है और फिर पर्वत स्कंध के साथ साथ नीचे उतरती है और लास्सर यांक्ती तथा रालम नाला संगम पर लकड़ी के पुल तक जाती है, संगम पार करती है और पूर्वी पर्वत स्कंध के ऊपर चढ़ती है, मापर धुरा के उत्तर में रिज के साथ साथ एल्पाइन चारागाह तक नीचे उतरती है।

फिर यह शुमाखू तथा जामटी के बीच धर्म गंगा नदी को इसके मोड़ बिन्दू पर पार करती है और पर्वत स्कंध के साथ साथ ऊपर चढ़ती है तथा भरजाडु धुरा के 2 $\frac{1}{2}$ किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित चोटी पर पहुंचती है। फिर यह उत्तरी दिशा में रराब तक रिज के साथ साथ जाती है।

फिर यह पांग दामका और उसके पेच कांग नाला के संगम तक कुथी यांक्ती के बांग तट के साथ साथ जाती है।

फिर दक्षिण पश्चिमी दिशा में पर्वत स्कंध के साथ साथ जाती है और फिर पेच कांग नाला के दक्षिण में रिज के साथ साथ जाती है तथा सुमजुरक्चंग की हिम नदी से 1 किलोमीटर पूर्व में स्थित शिखर पर मिलती है।

फिर दक्षिण दिशा में विभिन्न उन्चे शिखरों को जोड़ने वाली ऊँची पर्वत श्रेणी के साथ साथ जाती है और गर्णे हिम नदी से $3\frac{1}{2}$ किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित शिखर पर मिलती है।

यहां से यह पूर्व दिशा में पालंग गड़ तथा घन कांग नाला और कुयी यांकती नदी जल विभाजक के साथ साथ जाती है और छिया लेक से $3\frac{1}{2}$ किलोमीटर उत्तर में स्थित उच्चतम शिखर पर मिलती है, फिर यह दक्षिण दिशा में नीचे उतरती है और छिया लेक तक एक पर्वत स्कंध के साथ साथ चलती है और छिया लेक के पूर्व में अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से मिलती है।

[फा.सं. II/21017/3/93-आईएस (यूएसडी. IV)]

संगीता गैरोला, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी: मूल अधिसूचना सं० सा०का०नि० 290 अ० दिनांक 27 जून, 1974 भारत के राजपत्र, भाग-II, खण्ड-3, उपखण्ड 1१ में प्रकाशित हुई थी और बाद में सा०का०नि० 430 अ० दिनांक 17 जुलाई, 1980 द्वारा इसमें संशोधन किया गया।

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th April, 1999.

G.S.R.256(E).—Whereas the Central Government considers that in the interests of safety, security of India and in the public interest, it is necessary and expedient to declare certain areas adjoining the frontiers of India in the State of Uttar Pradesh, to be the notified area:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Criminal Law Amendment Act, 1961 (23 of 1961), and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs, number G.S.R. 290(E) dated, the 27th June, 1974, the Central Government hereby declares the areas specified in Schedule I annexed hereto, to be the notified area in the State of Uttar Pradesh, for the purposes of the said section, with effect from the date of publication of this notification and for that purpose makes the following amendment, namely :-

In the said notification, for the existing Schedule I and the entries relating thereto, the following Schedule I and entries shall be substituted, namely :-

"Schedule I

The line marking the boundary of notified area in this sector shall commence from SINGA GHATI situated at

trijunction of District boundary of KINNAUR, SHIMLA (HIMACHAL PRADESH) and UTTARKASHI District of UTTAR PRADESH. Thence follows the ridge in North Eastern direction, through LAMI Peak and KHMLOGA PASS, forming the State boundary between HIMACHAL PRADESH and UTTAR PRADESH upto its junction with tehsil boundary of PUROLA.

Then the line will run along the ridge forming tehsil boundary between PUROLA and BHATWARI upto its meeting point with the ridge forming the watershed of RATIYA BAMAK and LAMKHAGA BAMAK, thence along the same watershed to LAMKHAGA Peak, then run along the same ridge towards DHUMDHAR. Then it descends along the spur southward where it meets SIYAN GAD (1½ km East of its junction with BARAGADI GAD).

From this point it follows the left bank of SIYAN GAD upto its junction with BHAGIRATHI River and thereafter follows the right bank of BHAGIRATHI River upto its junction with a minor stream East of MARKANDE (about 4 km East of HARSIL).

Then it ascends up along this stream to a peak on DADAPOKHRI DHAR and follows the same ridge in North East direction to meet highest peak at North end of LANKA DHAR. Then it descends along LANKA DHAR following the same spur to meet a bridge at the junction of JADH GANGA (JAHNAVI River) and GARTANG GAD. Then crosses the JADH GANGA River and ascends a spur in South East direction to reach at DAKHANI Peak. Then runs along the same ridge in East direction through HODAS DHAR and peaks BHAIRON JHAMP, DEOBAN, KALIDHANG, CHIRBAS PARBAT, MATRI to a peak 2 km North of SUDARSHAN PARVAT. Then runs in North Eastern direction along a high hill range upto SRI KAILAS Peak.

From SRI KAILAS Peak it runs in generally South Eastern direction along high hill range upto MANA PARVAT, then runs along the ridge in East direction to peak situated south of MANA BANK and north of KAIANDANI Bank on tehsil boundary between BHATWARI and JOSHIMATH tehsils. Then along the tehsil boundary in North Eastern direction to a point South East of MANA BANK.

From this point on the tehsil boundary it runs in South Eastern direction along the ridge forming the watershed of SARASWATI River and ARWA Nala to meet the SARASWATI River at the wooden bridge ½ km South of KHATI and 2 km North of GHASTOLI. Thereafter it follows the left bank of SARASWATI River upto ROCK BRIDGE near CHHIPCHHIPO.

Then it ascends to a spur in South East direction and follows a hill range (watershed) south of KHULIA GARVYA Gad upto NAR PARVAT. Then in North eastern direction along a hill range South of KHULIA GARVYA Glacier and crossing KHULIA GHATA Pass to NILGIRI PARBAT.

From NILGIRI PARBAT it runs in North Eastern direction along a ridge and crosses BANK KUND Glacier to reach KAGBHUSAND Peak. Then it follows the watershed ridge North of

AMRIT GANGA River and South of SEM KHARAK Glacier and descends to KHAL KURANS, then crosses the DHAULI GANGA at 4 km North of NITI Village. Then it ascends to a spur in East direction upto BAMLAS Pass.

From BAMLAS Pass it runs along a ridge in South eastern direction to a peak South of DAMIYAN Glacier, then descends to a spur known as HIRU DHAR upto TIMARSAIN. Then it crosses the JATI GAD and ascends a spur to reach LANMA SURJANG Peak and then to LAMA SURJANG Peak.

From this it descends along a spur to reach the junction of CHUBANG GAD and GIRTHI GANGA. After crossing GIRTHI GANGA it ascends a spur and follows a ridge named CHHETI DHAR upto SURANS KA DHURA.

From this it runs in South direction following the watershed ridge of GIRTHI GANGA and SIRAUNCH GHAT Nala passing through KUNTI BHANAR Peak to LAMPAK Peak. Then it runs in South Eastern direction along a ridge between SIRAUNCH Glacier and KALLA Bank Glacier and reaches TIRSULI Peak on the District boundary between PITHORAGARH and CHAMOLI. Then it follows the district boundary upto CHHALAB..

Then it runs in South Eastern direction along the high hill range connecting peaks KHOLI, NANDA GOND, NANDA PAL, SHANGCHU, then it runs along the ridge downwards forming the watershed of GONKHA GAD and GORIGANGA River upto LAKHURI BHEL.

Then it crosses the GONKHA GAD and ascends to South Eastern spur of a ridge in East direction following North of BURPHU Glacier and then south of KWALGANG Glacier upto BAMBA DHURA.

From BAMBA DHURA it runs in South Eastern direction along tehsil boundary between MUNSRYARI and DHARCHULA tehsils of PITHORAGARH District and passes through Peaks CHHIRING WE, SULI TOP, TRIGAL upto SUJ TILLA Peak. Then runs in North Eastern direction along a ridge North of HIPCHIKANG Glacier upto JINGRI WE Peak and then descends along the spur upto wooden bridge at the junction of LASSAR YANKTI and RALAM YANKTI Nala, crosses the junction and ascends on the east spur, following the ridge North of MAPAR DHURA descends to Alpine pasture.

Then crosses the DARMAGANGA River at its turning point between SHUMA KHUN and JAMTI and ascends along the spur to reach a top $2\frac{1}{2}$ km South East of MARJADU DHURA. Then it runs in East direction along the ridge upto RARAB.

Then it follows the left bank of KUTHI YANKTI to PANGDAMKA and its junction with PECHKANG Nala.

Then runs along the spur in South West direction and then follows a ridge South of PECHKANG Nala upto a peak 1 km East of SUMZURKCHAN KI Glacier. Then runs along a high hill range in South direction connecting various high peaks upto a peak $3\frac{1}{2}$ km North east of GANE Glacier.

From this it runs in East direction following the watershed of PALANG GAD and GHANKANG Nala and KUTHI YANKTI River upto highest peak in the area $3\frac{1}{2}$ km North of CHHIYALEKH, then in South direction downwards and along a spur to CHHIYALEKH and meets International boundary East of CHHIYALEKH".

[F.No.II/21017/3/93-IS (US D. IV)]

SANGITA GAIROLA. Jt. Secy.

Note : The principal notification was published in the Gazette of India vide number G.S.R. 290(E) dated the 27th June, 1974 and subsequently amended vide number G.S.R. 430(E) dated the 17th July, 1980.